अन्जान लड़की

“वो आनन्द से छुटपटा रही थी और आह-उह और जाने क्या क्या बोल रही थी। प्रेषक : रोहित दोस्तो, मैं अन्तर्वासना का नियमित और पुराना पाठक हूँ। अन्तर्वासना पर कहानियाँ पढ़कर मुझे भी अपनी कहानी आप लोगों को बताने की इच्छा हो रही है। बात उन दिनों की है जब मैं बैंगलोर में पढ़ता था। […] ...”

Story By: (love2hugyou)
Posted: Monday, July 9th, 2012
Categories: कोई मिल गया
Online version: अन्जान लड़की

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

अन्जान लड़की

वो आनन्द से छटपटा रही थी और आह-उह और जाने क्या क्या बोल रही थी।

प्रेषक : रोहित

दोस्तो, मैं अन्तर्वासना का नियमित और पुराना पाठक हूँ। अन्तर्वासना पर कहानियाँ पढ़कर मुझे भी अपनी कहानी आप लोगों को बताने की इच्छा हो रही है।

बात उन दिनों की है जब मैं बैंगलोर में पढ़ता था। मैंने बारहवी के बाद वहाँ इन्जिनियरिंग में दाखिला लिया था। तीसरे सेमेस्टर के इम्तिहान हो चुके थे।

हम तीन दोस्त एक कमरा किराये पर ले कर रहते थे। हमारा कमरा ग्राउन्ड फ़्लोर पर था।

एक दिन मेरी तबियत कुछ खराब होने के कारण मैं कॉलेज नहीं गया था। मेरे दोनो साथी कॉलेज के लिये जा चुके थे। दिन के दस बज रहे थे। मैं अपने कमरे में लेटा था। कमरे की खिड़की जो बाहर की ओर खुलती थी, मैंने अधखुली ही छोड़ दी थी।

अचानक किसी ने धीरे से खिड़की खोली। मैंने देखा तो कोई हाथ अन्दर करके इधर उधर कुछ खोज रहा था। मैंने देखा तो वो एक लड़की थी। मेरे उठते ही उसने अपना हाथ हटा लिया। मुझे देख कर वो भागने लगी तो मैंने उसे आवाज दी।

फ़िर मैं दरवाजा खोल के बाहर आया तो मेरी नजर सीधे उसकी चूचियों पर गई। उसका रंग

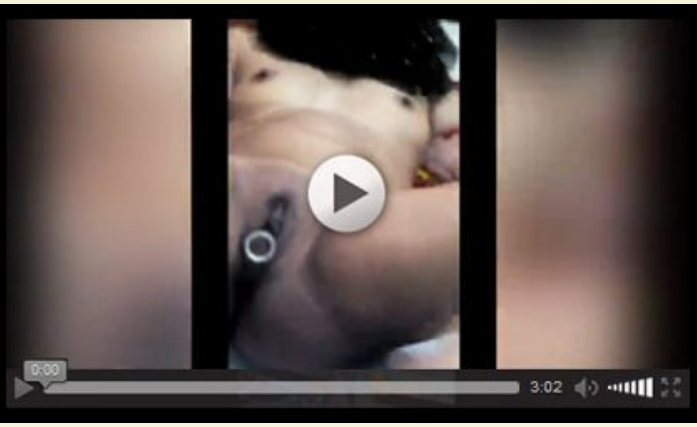

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

सांवला था और उसने कपड़े भी गन्दे पहने थे। उसकी उम्र 18 साल की रही होगी।

मैंने उससे पूछा- क्या तुम चोरी कर रही थी ?

तो उसने कुछ कहा जो मेरी समझ में नहीं आया। वो कन्नड़ बोल रही थी और मुझे वो नहीं आता है। मैं उसे ऊपर से नीचे तक देख रहा था। मेरे मन में अचानक एक ख्याल आया कि इसे पटाऊँ।

सच बोल रहा हूँ दोस्तो, उसे चोदने का खयाल मन में नहीं था। मैं अन्दर गया और अपने पर्स से दस का नोट निकाल कर उसे दिया और कहा कि कुछ खा लेना।

पता नहीं वो समझी कि नहीं पर उसने नोट ले लिया और दौड़ कर चली गई। मैं निराश हो गया। मैं काफ़ी देर तक दरवाजे पर खड़ा उसका इन्तजार करता रहा और आखिरकार वापस दरवाजा बन्द करके बिस्तर पर आ गया। शाम में मेरे दोस्त कॉलेज से आये लेकिन मेरे मन में सिर्फ़ वो लड़की ही थी।

रात भर मैं उसके बारे में सोचता रहा। सुबह जब दोस्तों ने उठाया तो मैं जागा। न जाने क्या हुआ मैंने आज भी कॉलेज नहीं जाने का निश्चय किया।

मेरे दोस्त जा चुके थे। मैं उठा और फ़्रेश होकर पास की बेकरी से चार पेस्ट्री खाने के लिये खरीद के कमरे पर वापस आ गया। अन्दर जा कर मैंने खिड़की खुली छोड़ दी और खिड़की से सारी चीज हटा दी। मैं मन ही मन सोच रहा था कि काश वो आज भी आए पर मुझे नींद आ गई।

अचानक खिड़की बजी तो मैंने देखा कि वो खड़ी थी मुझे देख कर वो मुस्कुराई। मैंने झट से जाकर दरवाजा खोला और अगल बगल देखा कि कोई नहीं था।

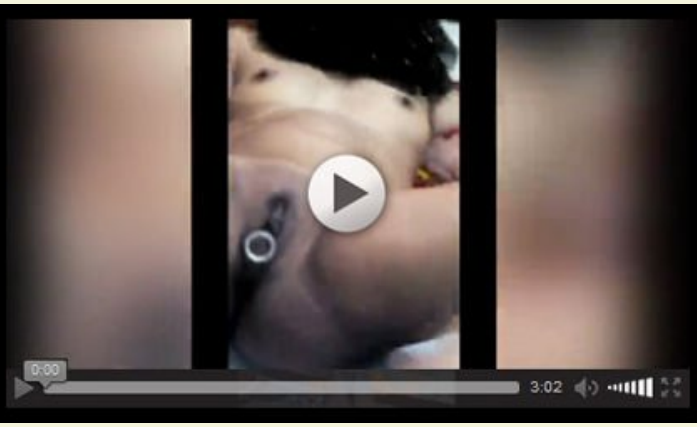

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

मैंने उसे अन्दर आने का इशारा किया तो वो झिझकते हुए अन्दर आ गई। आज उसके कपड़े साफ़ थे और वो बहुत सुन्दर और कमसिन लग रही थी।

मैं उससे बात करने की कोशिश कर रहा था और वो भी कुछ कुछ बोल रही थी लेकिन हम दोनों को एक दूसरे की बात समझ नहीं आ रही थी।

मैंने उसे कुर्सी पर बिठाया और उसे पेस्ट्री खाने को दी। मुझे बहुत डर भी लग रहा था। मैंने हिम्मत करके उसके कन्धे पर हाथ रखा तो वो धीरे से मुस्कुराई।

मेरी हिम्मत बढ़ने लगी और मैं उसकी पीठ पर हाथ फ़िराने लगा।

वो शान्त थी।

फ़िर मैंने उसका चेहरा पकड़ कर उसको चूम लिया।

वो कुछ नहीं बोली।

अब तक मेरी हिम्मत बढ़ चुकी थी। मैंने उसका सिर दोनों हाथ से पकड़ कर उसके होंठों पर अपने होंठ लगा दिए और उसे चूमने लगा। वो उठ कर खड़ी हो गई।

उसने मुझे बाहों में भर लिया। अब मैं सलवार के ऊपर से ही उसकी चुचियों को दबाने लगा। उसकी चूचियाँ टेनिस की गेन्द के आकार की थी। वो आह आह ! करने लगी और उसने मेरा हाथ पकड़ लिया।

मैं अपने होंठ उसके होठों से लगा कर चूसने लगा। मेरे हाथ उसके बदन को सहला रहे थे। फ़िर मैं अपना हाथों से उसकी चूतड़ पकड़ कर दबाने लगा।

उसे भी मजा आने लगा था शायद।

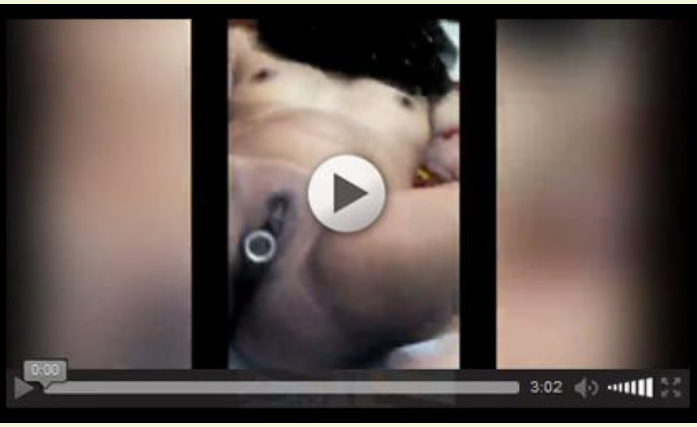

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

मैंने उसका सलवार खोल दिया और ब्रा भी निकाल दी। उसकी चूचियाँ देखकर मेरे तो जैसे होश उड़ गए।

बिल्कुल कसी हुई सन्तरे सी सख्त चूचियाँ और निप्पल मटर के दाने जैसे !

मैं उसकी चूचियाँ दबाने लगा और बीच बीच में उसके निप्पल को चूसने लगा। मैं एक को हाथ से दबाता और मसलता था तो दूसरे को चूसने लगता था। उसने आँखें बन्द कर ली और वो आह उह करने लगी।

मैंने उसे छोड़ दिया और मैंने एफ़-एम पर गाना चालू कर दिया।

मैं फ़िर उसे चूमने और चूसने लगा। मुझसे रहा नहीं जा रहा था, मैंने उसे छोड़ दिया और अपने सारे कपड़े उतार कर उसके सामने नंगा हो गया। मेरा लंड जो लगभग 7″ का है, तना हुआ था और उसमें से पानी निकल रहा था। मैंने ब्लू फ़िल्म में देखा था कि लड़का-लड़की एक दूसरे का लन्ड और बुर चाटते हैं।

उसने मेरा लन्ड पकड़ लिया और हिलाने लगी।

मैंने उसका बाल पकड़ के उसे बैठा दिया और उससे मुँह में लेकर चूसने के लिये बोला, लेकिन उसने मना कर दिया। मैं उसकी चूचियाँ जोर जोर से दबाने लगा। वो पागल हुई जा रही थी।

उसने भी अपने सारे कपड़े उतार दिये। मैं उसकी चूत देखने के लिये बेताब हो गया, मैंने उसको कुर्सी पर बैठा कर उसकी टान्गें खोल दी। उसकी चूत साफ़ नजर आ रही थी।

हल्के काले बाल थे उसकी चूत पर, चूत की पतली दरार मेरे सामने ही थी मैं अपनी उन्गली उसकी चूत के ऊपर फ़िराने लगा। वो सिसकारियाँ भरने लगी तो मैंने उसकी टाँगें थोड़ी

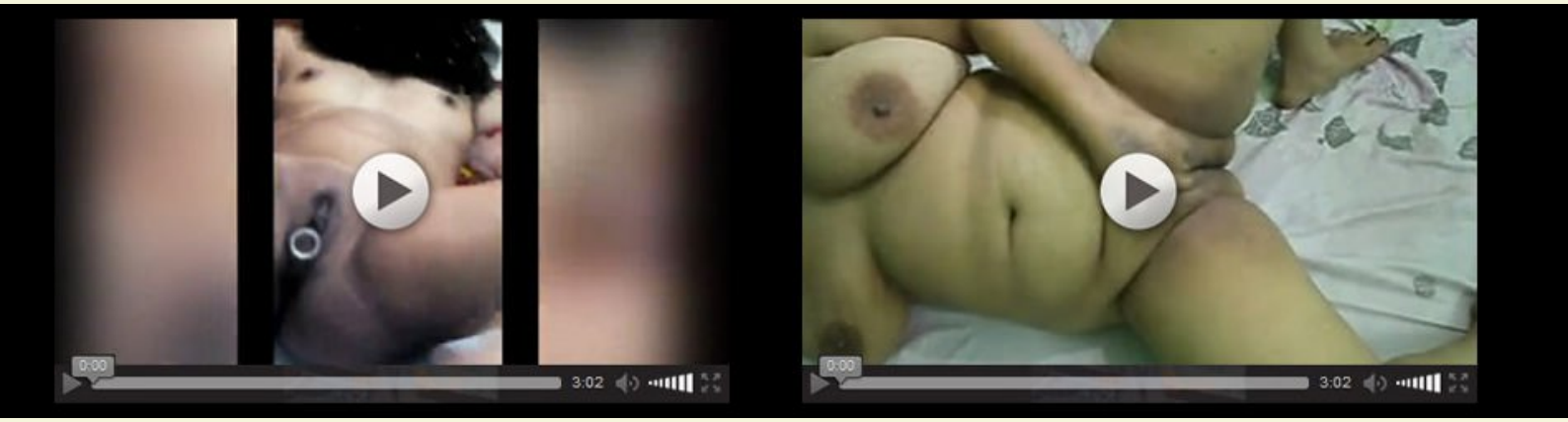

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

और फ़ैला कर अपनी उन्गली थोड़ी अन्दर करके उसके चूत के गुलाबी हिस्से को सहलाने और मसलने लगा।

उसकी चूत गीली हो गई थी और उससे एक खुशबू सी आ रही थी। मैं अपने होंटों से उसकी चूत को चूम लिया और अपनी जीभ से चाटने लगा।

वो जोर जोर से मचलने लगी।

मैं खड़ा हुआ और अपना लंड उसके मुँह के पास करके उसे चूसने को बोला तो वो धीरे धीरे अपने होंठों और जीभ से मेरा लन्ड चाटने लगी। मैं उसको लेकर बेड पर आ गया वो पीठ के बल लेट गई और उसने अपनी टान्गें फ़ैला दी।

वो कुछ बोल रही थी और मुझे कुछ समझ नहीं आ रहा था।

मुझसे अब बर्दाश्त नहीं हो रहा था, मैं उसकी टान्गों के बीच में बैठ गया और अपने लन्ड का सुपारा उसकी चूत पर लगा दिया। वो भी बेताब थी, उसने मुझे टान्गों का घेरा बना कर जकड़ लिया था और अपने चूतड़ उठा कर अपनी चूत मेरे लन्ड पर दबाने लगी।

रहा तो मुझसे भी नहीं जा रहा था, मैंने अपना लन्ड उसकी चूत पर रख कर दबाया तो वो फ़िसल गया। दुबारा जोर से दबाया तो लन्ड

उसकी चूत में आधा अन्दर तक घुस गया। उसकी सील पहले से टूटी थी लेकिन उसकी चूत बहुत कसी हुई थी। ऐसा लग रहा था जैसे मेरा लन्ड किसी ने जोर से मुट्ठी में पकड़ रखा हो।

मुझे मजा आ रहा था। मैं अपना लन्ड अन्दर बाहर करने लगा और एक बार और जोर से पेला तो लन्ड पूरा अन्दर तक चला गया। वो छ्टपटा रही थी और आह-उह और जाने

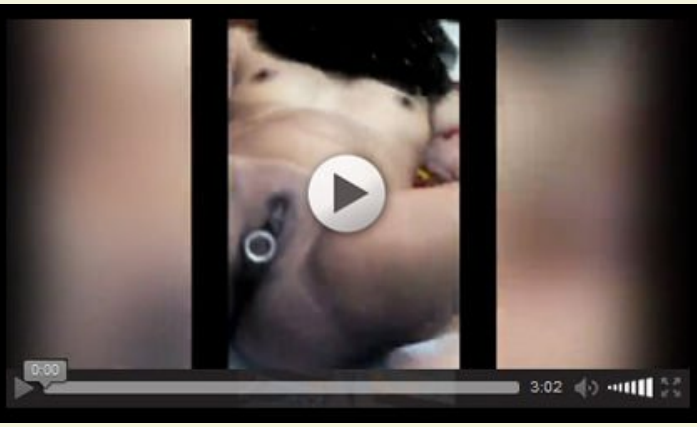

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

क्या क्या बोल रही थी।

मैं उसका कमर पकड़ के उसके चूत में लन्ड अन्दर बाहर करने लगा। मैं उसे जोर जोर से चोद रहा था और वो गान्ड हिला कर साथ दे रही थी। हम दोनों पसीने से लथपथ हो रहे थे। अचानक मुझे लगा कि मेरा निकलने वाला है और मैं काफ़ी तेज गति से और जोर जोर से उसको चोदने लगा। फ़िर मेरा माल उसकी चूत में काफ़ी अन्दर ही निकल गया।

मैं निढाल होकर उसके ऊपर लेट गया और उसकी चुच्ची को मुँह में लेकर चूसने लगा। उसने मुझे कस के जकड़ लिया और फ़िर वो भी निढाल हो गई। मैं उसकी बगल में लेट गया और उसकी चूचियों से खेलने लगा।

वो आँखें बन्द करके पड़ी थी।

15 मिनट बाद मैं उसके ऊपर फिर चढ़ गया और एक बार फ़िर उसको चोदा, अबकी बार मैंने उसे लगभग 20 मिनट तक चोदा। फ़िर हम उठे और अपने अंग साफ़ करके हमने कपड़े पहन लिये।

मैंने उसे 50 रुपये दिये और वो खुश हो कर चली गई। फिर वो दुबारा कभी नहीं आई। मुझे पता नहीं चला कि वो कौन थी।

शायद वो कूड़ा कचरा चुनने वाली थी या शायद कोई और लेकिन वो गरीब थी। उसने 60 रुपये में मुझे जो मजा दिया था वो लाजवाब था। इस घटना को लगभग 9 साल हो चुके हैं।

अब मेरी शादी हो गई है और मैं जमशेदपुर में एक कम्पनी में मैनेजर के पद पर कार्यरत हूँ।

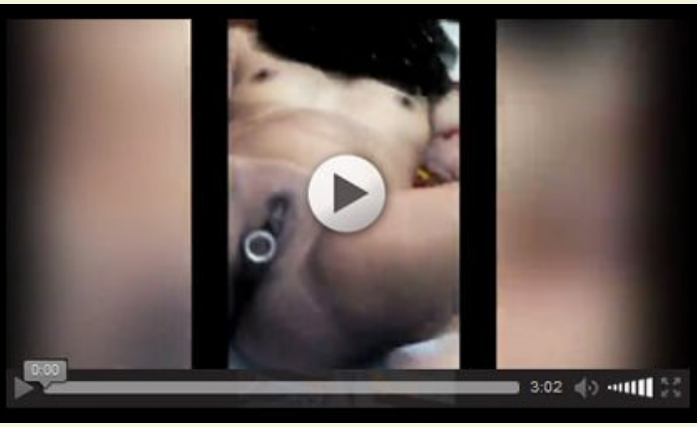

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

Other stories you may be interested in

नौकरी के लिए आईं दो लड़कियों ने चूत चुदवा ली

आप सभी को मेरा नमस्कार.. मेरा नाम राहुल है, पटना का रहने वाला हूँ.. बिजनेस करता हूँ। मेरा अपना एक अच्छा ऑफिस है, मेरा प्लेसमेंट का काम है। मैं चुदाई के लिए चूत की खोज में बहुत लगा रहता हूँ। […]
Full Story >>>

जयपुर की बस यात्रा में मिली अनजानी चूत-2

अब तक आपने पढ़ा.. एक अनजान महिला मेरे साथ बस की यात्रा में मेरे साथ मेरी ही बर्थ पर थी। अब आगे.. थोड़ी देर में उसने अपना एक पैर थोड़ा सा उठा लिया.. जिस कारण उसकी साड़ी उसके घुटनों तक […]
Full Story >>>

जयपुर की बस यात्रा में मिली अनजानी चूत-1

नमस्कार दोस्तो.. मेरा नाम कुन्दन है, जयपुर का रहने वाला हूँ। यह मेरे जीवन की एक सच्ची घटना है। इस घटना के समय में जयपुर से बाहर एक कंपनी में काम करता था। बात तब की है जब जयपुर में […]
Full Story >>>

अंकल आंटी के साथ सेक्स का मज़ा

हैलो दोस्तो.. मेरा नाम हृतिक है। अभी मैं 18 साल का हूँ.. बारहवीं में पढ़ता हूँ तथा दिल्ली में हॉस्टल में रहता हूँ। मैं अन्तर्वासना हिन्दी सेक्स स्टोरीज का नियमित पाठक हूँ और यह मेरी पहली कहानी है। मुझे यह […]
Full Story >>>

32 लंडों से चुद चुकी राबिया क़ुरैशी की हिन्दी सेक्स स्टोरी-2

बॉस से अपनी चूत चुदवा, चटवाने के बाद मैं फ्लैट पर आ गई और नादिया को सारी बात बताई। उसके बाद सबसे पहले नादिया के साथ खाना खाया और फिर थोड़ी देर बाजार घूमने चली गई। फिर रात में जल्दी […]
Full Story >>>

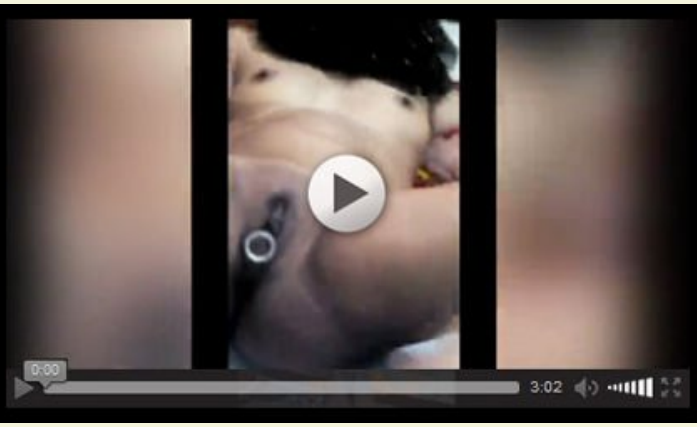

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

Other sites in IPE

Kinara Lane

A sex comic made especially for mobile from makers of Savita Bhabhi!

FSI Blog

Every day FSIBlog.com brings you the hottest freshly leaked MMS videos from India.

Delhi Sex Chat

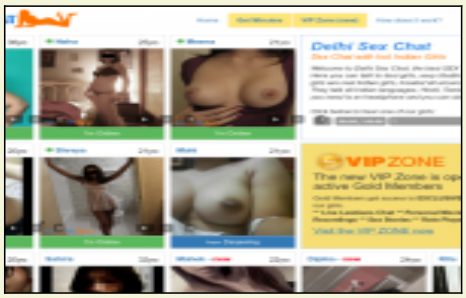

Are you in a sexual mood to have a chat with hot chicks? Then, these hot new babes from DelhiSexChat will definitely arouse your mood.

Velamma

Vela as her loved ones like to call her is a loving and innocent South Indian Aunty. However like most of the woman in her family, she was blessed with an extremely sexy figure with boobs like they came from heaven! Visit the website and check the first 3 episodes for free.

Bangla Choti Kahini

বাংলা ভাষায় নুতন বাংলা চটি গল্প, বাংলা ফন্টে বাংলাদেশী সেক্স ষ্টোরি, বাংলা পানু গল্প ও বাংলা চোদাচুদির গল্প সংগ্রহ নিয়ে হাজির বাংলা চটি কাহিনী

Antarvasna Porn Videos

Antarvasna Porn Videos is our latest addition of hardcore porn videos.

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire